Andhra Pradesh — Summative Assessment 1 (SA1), 2026-27

Class VII — Hindi (Second Language)

उत्तर कुंजी — सेट 1

For: Model Paper Set 1 **Max. Marks: 80**

Notes for valuers

- खंड क–ख: सही भाव वाले उत्तर स्वीकार करें; छोटी वर्तनी की गलतियों पर अंक न काटें।
- खंड ग–घ: नीचे दिए गए मूल्य-बिंदु मार्गदर्शन के लिए हैं; छात्र के अपने शब्दों में सही उत्तर पूरे अंक के योग्य है।
- पत्र/निबंध/संवाद (8 अंक): विषय-वस्तु 4, प्रारूप/क्रम 2, भाषा 2।
- पाठ-आधारित उत्तरों को मूल्यांकनकर्ता पाठ्यपुस्तक से मिलाकर देख लें।

खंड – क **20 × 1 = 20**

1. B) जल

2. A) झूठ

3. B) लड़की

4. A) किताबें

5. A) ई

6. C) पर

7. B) सत्यवादी

8. A) बहुत परेशान करना

9. B) मैंने खाना खाया।

10. B) आदिवासी लोक नृत्य

11. B) हर रविवार

12. C) विज्ञान की किताबें

13. B) वैज्ञानिक

14. B) किताबें सँभालकर पढ़ने और समय पर लौटाने की

15. A) बड़ा

16. B) जल्दी उठो

17. A) मन लगाकर

18. A) मीठे गीत

19. A) सुबह

20. A) मिल-जुलकर रहना और मन लगाकर पढ़ना

www.educationobserver.com

खंड – ख **4 × 2 = 8**

21. (क) सूरज – रवि, दिनकर (ख) फूल – पुष्प, सुमन (ग) माँ – माता, जननी (घ) पेड़ – वृक्ष, तरु *[4 × ½]*

22. (क) बच्चे खेलते हैं।

(ख) चिड़ियाँ उड़ती हैं।

23. (क) आँखें चार होना – आमना-सामना होना। वाक्य: मेले में अचानक दो पुराने मित्रों की आँखें चार हुईं।

(ख) हाथ बँटाना – मदद करना। वाक्य: रीना घर के कामों में माँ का हाथ बँटाती है।

24. कवि ईश्वर से ज्ञान, सद्‌बुद्‌धि, अच्छे गुण और सबकी भलाई करने की शक्ति माँगता है। (पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)

खंड – ग **5 × 4 = 20**

25. मूल्य-बिंदु: मुसीबत में घबराना नहीं चाहिए; बुद्‌धि और धैर्य से हर समस्या का हल निकलता है; छोटा होकर भी चतुराई से बड़ा काम किया जा सकता है। (कहानी की घटनाओं से जोड़कर लिखे उत्तर को पूरे अंक दें।)

26. मूल्य-बिंदु: धिंसा आंध्र प्रदेश (अराकू घाटी, अल्लूरी सीताराम राजू ज़िला) और ओडिशा के आदिवासियों का लोक नृत्य है; स्त्री-पुरुष एक-दूसरे का हाथ पकड़कर घेरा या कतार बनाकर नाचते हैं; ढोल, नगाड़े और शहनाई जैसे वाद्‌य बजते हैं; त्योहारों, शादियों और मेलों में किया जाता है; रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा। (कोई चार बातें; पाठ से मिलाएँ।)

27. मूल्य-बिंदु: मन लगाकर पढ़ना; सच बोलना; बड़ों का आदर करना; मिल-जुलकर रहना; देश को आगे बढ़ाना और उसकी रक्षा करना; अच्छे नागरिक बनना। (पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)

28. मूल्य-बिंदु: ईमानदारी सबसे अच्छी नीति है; ईमानदार व्यक्ति को अंत में सम्मान और इनाम मिलता है; लालच और बेईमानी से नुकसान होता है; हमें हर हाल में सच्चाई और ईमानदारी का साथ देना चाहिए।

29. (क) यह मेरा विद्‌यालय है। *[4 × 1]*

(ख) मुझे आम पसंद हैं।

(ग) हमेशा सच बोलो।

(घ) पक्षी (चिड़ियाँ) गा रहे हैं।

खंड – घ **4 × 8 = 32**

30. (अ) औपचारिक पत्र प्रारूप: सेवा में, पद व पता, विषय, महोदय, विषय-वस्तु, धन्यवाद, आपका आज्ञाकारी शिष्य, नाम, कक्षा, दिनांक।

विषय: दो दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र। बुखार का उल्लेख, तिथियाँ, अवकाश स्वीकार करने का निवेदन।

30. (आ) पत्र प्रारूप: स्थान व दिनांक, संबोधन, अभिवादन, विषय-वस्तु, समापन (तुम्हारा मित्र / आपका आज्ञाकारी पुत्र), नाम।

जन्मदिन की तिथि, समय, स्थान, कार्यक्रम (केक, खेल, भोजन), मित्र को अवश्य आने का आग्रह।

31. (अ) विद्‌यालय का नाम और स्थान; भवन, कक्षाएँ, पुस्तकालय, मैदान; शिक्षक; प्रार्थना सभा; खेल और कार्यक्रम; क्यों प्रिय है।

www.educationobserver.com

31. (आ) त्योहार का नाम और समय; क्यों मनाया जाता है; तैयारी, सजावट, पकवान, मेल-मिलाप; सीख; क्यों प्रिय है।

32. (अ) कहानी के पात्र और घटनाएँ क्रम से; ईमानदार पात्र की परीक्षा; उसका सच बोलना; अंत में इनाम/सम्मान; सीख – ईमानदारी का फल मीठा होता है। (पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)

32. (आ) कौए की समस्या, उसकी चतुराई भरी योजना, घटनाएँ क्रम से, परिणाम, सीख – बुद्धि से बड़ी से बड़ी मुश्किल हल होती है। (पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)

33. (अ) संवाद प्रारूप: माँ और बेटी के नाम; क्या-क्या खरीदना है, सूची, थैला ले जाना, प्लास्टिक न लेना, पैसे का हिसाब; 10–12 वाक्य।

33. (आ) शीर्षक: ईमानदार लकड़हारा। कुल्हाड़ी नदी में गिरी; जल-देवता ने सोने की, फिर चाँदी की कुल्हाड़ी दिखाई; लकड़हारे ने मना किया; अपनी लोहे की कुल्हाड़ी पहचानी; ईमानदारी से खुश होकर देवता ने तीनों दे दीं। सीख: ईमानदारी सबसे अच्छी नीति है।

* * *

www.educationobserver.com